Report
of
Department of Hindi
(2022-23)

Mehr Chand Mahajan DAV College for Women

Sector-36/A, Chandigarh

www.mcmdavcw-chd.edu
0172- 2603355, 0172- 2624921

1. **Name of the Department : Hindi**
2. **Year of Establishment : 1968**
3. **Names of Programmes/Courses offered (UG, PG, M.Phil, Ph.D, Integrated Mastersetc.)**

   iv. **UG**

   v. **PG**

   vi. **BA Hons.**

Skill-based Workshops/ Extension Lectures/Panel Discussions organized by the Department in the session:

Title	Date	Objective	No. of Students benefitted	Name/Designation/Organization of Resource Person/s
Vishav Hindi Diwas	10-01-22	To make the students aware of the advanced status of Hindi Language in the world	30	……
Kavi Sammelan	21-03-22	To make aware the students about the importance of poetry. To inculcate the art of poetry recitation	40	Mr. Prem Vij, Mr. Shams Tabrezi, Ms. Neeru Mittal, Ms. Sarita Mehta, Mr. Aneesh Garg, Mr. Deepak Chanarthal, Mr. Gurdarshan Singh Mawi, Ms. Neelam Trikha, Mr. Vinod Sharma, Mr. Ashok Nadir
Hindi Diwas with 'Dharohar'	14-09-2022	' To make the students aware of Contribution of Hindi in Nation's Development'	40	Sh. Rajkumar Rakesh Chief Guest. Sh. Desh Nirmohi, Editor, Adhar Prakashan

CANDIDATE NAME:- MANJEET KAUR
हिन्दी
दिवस
क ख अ आ
ग घ इ ई

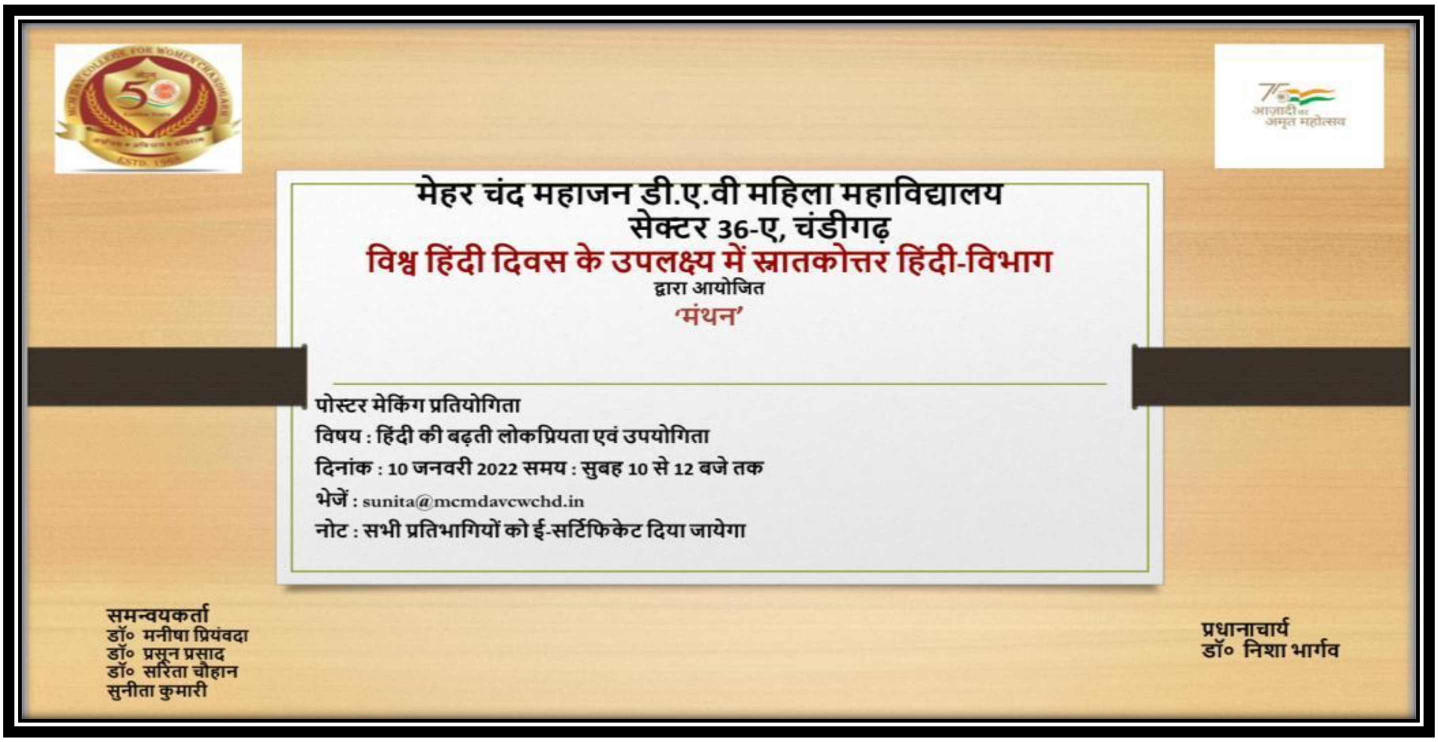
मेहर चंद महाजन डी.ए.वी महिला महाविद्यालय
सेक्टर 36-ए, चंडीगढ़
विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में स्नातकोत्तर हिंदी-विभाग
द्वारा आयोजित
'मंथन'
पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता
विषय : हिंदी की बढ़ती लोकप्रियता एवं उपयोगिता
दिनांक : 10 जनवरी 2022 समय : सुबह 10 से 12 बजे तक
भेजें : sunita@mcmdavcwchd.in
नोट : सभी प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट दिया जायेगा
समन्वयकर्ता
डॉ० मनीषा प्रियंवदा
डॉ० प्रसून प्रसाद
डॉ० सरिता चौहान
सुनीता कुमारी
प्रधानाचार्य
डॉ० निशा भार्गव

MEHR CHAND MAHAJAN DAV COLLEGE FOR WOMEN, CHANDIGARH

WORLD POETRY DAY CELEBRATIONS

Principal Dr. Nisha Bhargava

भव्य कवि सम्मेलन और काव्य पाठ का आयोजन किया

दैनिक स्टेट समाचार के स्थानीय संपादक डॉ. विनोद शर्मा ने भी की शिरकत

चंडीगढ़। स्टेट समाचार। विनोद कुमार

मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन, चंडीगढ़ ने कवि सम्मेलन और काव्य पाठ प्रतियोगिता के आयोजन के साथ विश्व कविता दिवस के उपलक्ष्य में भव्य उत्सव मनाया। यह समारोह कॉलेज में हिंदी के स्नातकोत्तर विभाग और पंजाबी विभाग के सोच ते कलाम क्लब और संवाद साहित्य मंच, चंडीगढ़ के संयुक्त प्रयास द्वारा आयोजित किया गया था। कवि सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में, ... एक है। कविता के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि कविताएँ संवाद और शांति के लिए एक शक्तिशाली उत्प्रेरक है। डॉ. भार्गव ने स्वरचित कवितापाठ से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. उन्होंने अपनी दो कविताओं के माध्यम से सपनों की शक्ति और जीवन की वास्तविकता को स्पष्ट रूप से साझा किया।

कवि सम्मेलन में प्रेम विज, शम्स तबरेजी, सुश्री नीरू मित्तल, सुश्री सरिता मेहता, अनीश गर्ग, दीपक चनारथल, गुरदर्शन सिंह मावी, सुनील त्रिखा, विनोद शर्मा , अशोक नादिर ... सम्मेलन बतौर कवयित्री शामिल हुए। कवि मंडल और संकाय सदस्यों की हृदयग्राही कविताओं ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। जीवनदर्शन से लेकर प्रकृति तक, प्रेम से लेकर महिला सशक्तिकरण तक, बचपन से लेकर परिपक्वता तक, नैतिक मूल्यों से लेकर देशभक्ति तक, कवियों ने विविध विषयों को छुआ और अपने। भावों को कविता की लड़ी में पिरो कर प्रस्तुत किया। काव्य पाठ प्रतियोगिता में विभिन्न विषयों के छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। प्रतियोगिता के

भव्य कवि सम्मेलन और काव्य पाठ का आयोजन

-साहित्यकार डॉ विनोद शर्मा ने भी दी प्रस्तुति

विनोद कुमार, चंडीगढ़। मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन, चंडीगढ़ ने कवि सम्मेलन और काव्य पाठ प्रतियोगिता के आयोजन के साथ विश्व कविता दिवस के उपलक्ष्य में भव्य उत्सव मनाया। यह समारोह कॉलेज में हिंदी के स्नातकोत्तर विभाग और पंजाबी विभाग के सोच ते कलाम क्लब और संवाद साहित्य मंच, चंडीगढ़ के संयुक्त प्रयास द्वारा आयोजित किया गया था। कवि सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में, प्रिंसिपल डॉ निशा भार्गव ने कविता के प्रति अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उत्सव कविता के प्रति अगाध समर्पण का प्रतीक है जो मानवता की सांस्कृतिक, भावाभिव्यक्ति और पहचान को दर्शाने के लिए बहुमूल्य रत्नों में से एक है। कविता के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि कविताएँ संवाद और शांति के लिए एक शक्तिशाली

कवि सम्मेलन और काव्य पा

साहित्यकार डॉ विनोद शर्मा ने भी

...ार, मदरलैंड संवाददाता

मेहर चंद महाजन डीएवी ...मेन, चंडीगढ़ ने कवि सम्मेलन ...र प्रतियोगिता के आयोजन के ...ता दिवस के उपलक्ष्य में भव्य ...यह समारोह कॉलेज में हिंदी के ...भाग और पंजाबी विभाग के ...क्लब और संवाद साहित्य मंच, ...क्त प्रयास द्वारा आयोजित किया ... सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में, ...शा भार्गव ने कविता के प्रति ...यक्त करते हुए कहा कि यह ... के प्रति अगाध समर्पण का ... मानवता की सांस्कृतिक, ...और पहचान को दर्शाने के लिए ... में से एक है। कविता के महत्व ...ए उन्होंने कहा कि कविताएँ ...ति के लिए एक शक्तिशाली ... भार्गव ने स्वरचित कविता पाठ ... मंत्रमुग्ध कर दिया। कवि

सम्मेलन में प्रेम विज, शम्स तबरेजी, नीरू मित्तल, सुश्री सरिता मेहता, अनीश गर्ग, दीपक चनारथल, गुरदर्शन सिंह मावी, नीलम त्रिखा, विनोद शर्मा , अशोक नादिर आमंत्रित कवि मंडल और कॉलेज के संकाय सदस्य में डॉ

कवियों और संकाय सदस्यों की कविताओं ने श्रो

22 मार्च (आशीष) : सैक्टर-36 स्थित मेहर चंद महाजन डी.ए.वी. कॉलेज फॉर वूमैन में कवि सम्मेलन का आयो... ...ति अपने उद्गार व्यक्त किए। डॉ. भार्गव ने स्वरचित कविता पाठ से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने अपनी दो ... साझा किया। कवि सम्मेलन में प्रेम विज, शम्स तबरेजी, नीरू मित्तल, सरिता मेहता, अनीश गर्ग, दीपक चनारथल, गुर...

धरोहर कार्यक्रम के आयोजन के साथ हिंदी दिवस मनाया

चंडीगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन, मे हिंदी के स्नातकोत्तर विभाग ने 14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा द्वारा हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप मे अपनाने के लिए एक कार्यक्रम धरोहर के साथ हिंदी दिवस मनाया। प्रसिद्ध साहित्यकार राजकुमार राकेश इस अवसर पर मुख्य अतिथि एव वक्ता के रूप मे उपस्थित रहे इस अवसर पर आदर्श प्रकाशन के संपादक देश निर्मोही भी मौजूद थे। राजकुमार ने हिंदी भाषा की उत्पत्ति और उसके विकास पर चर्चा करते हुए राष्ट्र के विकास मे हिंदी का योगदान विषय पर अपनी बात शुरू की। उन्होंने कहा कि हिंदी जुड़ाव और अपनेपन की भावना को बढ़ावा देने के अलावा, मनुष्य की आंतरिक और बौद्धिक शक्ति विकसित करके और उनमे सहानुभूति का भाव उत्पन्न करके बेहतर प्राणियों में बदल देती है। भाषण के बाद एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ जिसमें नाटी और हरियाणवी नृत्य प्रदर्शन, लोक गीत प्रस्तुतीकरण, दोहा अंताक्षरी और हिंदी पर प्रश्नोत्तरी शामिल थे । समारोह मे विद्यार्थियो की उत्साहजनक भागीदारी देखी गई। विभिन्न आयोजनो के प्रतिभागियो को गणमान्य व्यक्तियो द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव ने विद्यार्थियो को हमारे जीवन मे हिंदी के महत्व के बारे मे जागरूक करने के लिए हिंदी विभाग की इस पहल की सराहना की।

एमसीएम में धरोहर कार्यक्रम के आयोजन के साथ हिंदी दिवस मनाया

चंडीगढ़।स्टेट समाचार

मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन, चंडीगढ़ में हिंदी के स्नातकोत्तर विभाग ने 14 सितंबर, 1949 को संविधन सभा द्वारा हिंदी को अधिकारिक भाषा के रूप में अपनाने के लिए एक कार्यक्रम धरोहर के साथ हिंदी दिवस मनाया। प्रसिद्ध साहित्यकार श्री राजकुमार राकेश इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में उपस्थित रहेइस अवसर पर आदर्श प्रकाशन के संपादक श्री देश निर्मोही भी मौजूद थे। राजकुमार ने हिंदी भाषा की उत्पत्ति और उसके विकास पर चर्चा करते हुए राष्ट्र के विकास में हिंदी का योगदान विषय पर अपनी बात शुरू की। उन्होंने कहा कि हिंदी जुड़ाव और अपनेपन की भावना को बढ़ावा देने के अलावा, मनुष्य की आंतरिक और बौद्धिक शक्ति विकसित करके और उनमें सहानुभूति का भाव उत्पन्न करके बेहतर प्राणियों में बदल देती है। भाषण के बाद एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ जिसमें नाटी और हरियाणवी नृत्य प्रदर्शन, लोक गीत प्रस्तुतीकरण, दोहा अंताक्षरी और हिंदी पर प्रश्नोत्तरी शामिल थे । समारोह में विद्यार्थियों की उत्साहजनक भागीदारी देखी गई। विभिन्न आयोजनों के प्रतिभागियों को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव ने विद्यार्थियों को हमारे जीवन में हिंदी के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए हिंदी विभाग की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि हम भारतीयों के लिए यह बहुत गर्व की बात है कि विदेशों में अब भारतीय भाषाओं और साहित्य की महानता की पहचान हो रही है, हमें भी अपनी भाषा के उत्थान और समृद्ध भाषाई विरासत को संरक्षित करने की दिशा में कार्य करने की जरूरत है।

INC - Education Sector

एमसीएम में 'धरोहर' कार्यक्रम के आयोजन के साथ हिंदी दिवस मनाया

September 15, 2022 02:29 PM

चंडीगढ़ , 15.09.22- मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन, चंडीगढ़ में हिंदी के स्नातकोत्तर विभाग ने 14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा द्वारा हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाने के लिए एक कार्यक्रम 'धरोहर' के साथ हिंदी दिवस मनाया।

प्रसिद्ध साहित्यकार श्री राजकुमार राकेश इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में उपस्थित रहे इस अवसर पर आदर्श प्रकाशन के संपादक श्री देश निर्मोही भी मौजूद थे। राजकुमार ने हिंदी भाषा की उत्पत्ति और उसके विकास पर चर्चा करते हुए 'राष्ट्र के विकास में हिंदी का योगदान' विषय पर अपनी बात शुरू की। उन्होंने कहा कि हिंदी जुड़ाव और अपनेपन की भावना को बढ़ावा देने के अलावा, मनुष्य की आंतरिक और बौद्धिक शक्ति विकसित करके और उनमें सहानुभूति का भाव उत्पन्न करके बेहतर प्राणियों में बदल देती है। भाषण के बाद एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ जिसमें 'नाटी' और हरियाणवी नृत्य प्रदर्शन, लोक गीत प्रस्तुतीकरण, दोहा अंताक्षरी और हिंदी पर प्रश्नोत्तरी शामिल थे । समारोह में विद्यार्थियों की उत्साहजनक भागीदारी देखी गई। विभिन्न आयोजनों के प्रतिभागियों को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव ने विद्यार्थियों को हमारे जीवन में हिंदी के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए हिंदी विभाग की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि हम भारतीयों के लिए यह बहुत गर्व की बात है कि विदेशों में अब भारतीय भाषाओं और साहित्य की महानता की पहचान हो रही है, हमें भी अपनी भाषा के उत्थान और समृद्ध भाषाई विरासत को संरक्षित करने की दिशा में कार्य करने की ज़रूरत है। इस अवसर पर डॉ. भार्गव ने स्वरचित कविता 'कृष्ण और अर्जुन' का पाठ भी किया।

धरोहर कार्यक्रम के आयोजन के साथ हिन्दी दिवस मनाया

चंडीगढ़, 15 सितम्बर (राम सिंह बराड़) : मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन, चंडीगढ़ में हिंदी के स्नातकोत्तर विभाग ने 14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा द्वारा हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाने के लिए एक कार्यक्रम 'धरोहर' के साथ हिंदी दिवस मनाया। प्रसिद्ध साहित्यकार राजकुमार राकेश इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में उपस्थित रहे इस अवसर पर आदर्श प्रकाशन के संपादक देश निर्मोही भी मौजूद थे। राजकुमार ने हिंदी भाषा की उत्पत्ति और उसके विकास पर चर्चा करते हुए 'राष्ट्र के विकास में हिन्दी का योगदान' विषय पर अपनी बात शुरू की। उन्होंने कहा कि हिंदी जुड़ाव और अपनेपन की भावना को बढ़ावा देने के अलावा, मनुष्य की आंतरिक और बौद्धिक शक्ति विकसित करके और उनमें सहानुभूति का भाव उत्पन्न करके बेहतर प्राणियों में बदल देती है। उन्होंने कहा कि हम भारतीयों के लिए यह बहुत गर्व की बात है कि विदेशों में अब भारतीय भाषाओं और साहित्य की महत्ता की पहचान हो रही है, हमें भी अपनी भाषा के उत्थान और समृद्ध भाषाई विरासत को संरक्षित करने की दिशा में कार्य करने की जरूरत है। इस अवसर पर डॉ. भार्गव ने स्वरचित कविता 'कृष्ण और अर्जुन' का पाठ भी किया।

एम.सी.एम. कालेज में धरोहर कार्यक्रम में भाग लेने वाली छात्राएं प्रिंसीपल डा. निशा भार्गव के साथ। (छाया : गुरिंद्र सिंह)

मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय,
सेक्टर 36-ए,चंडीगढ़

स्नातकोत्तर हिंदी-विभाग द्वारा हिंदी-दिवस

के उपलक्ष्य में आयोजित

'धरोहर'

मुख्य अतिथि एवं वक्ता : श्री राजकुमार राकेश प्रख्यात साहित्यकार एवं पूर्व हिमाचल लोक सेवा अधिकारी

मुख्य कार्यक्रम: विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति

स्थान : मल्टीमीडिया हॉल | समय : सुबह 10 बजे | दिनांक : 14 सितंबर 2022

समन्वयकर्ता	सह-संयोजक एवं विभागाध्यक्ष	संयोजक एवं प्राचार्या
डॉ॰ प्रसून प्रसाद डॉ॰ सरिता चौहान सुश्री सुनीता कुमारी	डॉ॰ मनीषा प्रियंवदा	डॉ॰ निशा भार्गव

चेताया है कि लोगों की जान से खिलवाड़ मंजूर नहीं.

एमसीएम में धरोहर कार्यक्रम के आयोजन के साथ हिंदी दिवस मनाया

विज चंडीगढ़. मेहर चंद महाजन डीएवी कॉलेज फॉर विमेन, चंडीगढ़ में हिंदी के स्नातकोत्तर विभाग ने 14 सितंबर, 1949 को संविधान सभा द्वारा हिंदी को आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाने के लिए एक कार्यक्रम धरोहर के साथ हिंदी दिवस मनाया। प्रसिद्ध साहित्यकार श्री राजकुमार राकेश इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में उपस्थित रहे इस अवसर पर आदर्श प्रकाशन के संपादक श्री देश निर्मोही भी मौजूद थे। राजकुमार ने हिंदी भाषा की उत्पत्ति और उसके विकास पर चर्चा करते हुए राष्ट्र के विकास में हिंदी का योगदान विषय पर अपनी बात शुरू की। उन्होंने कहा कि हिंदी जुड़ाव और अपनेपन की भावना को बढ़ावा देने के अलावा, मनुष्य की आंतरिक और बौद्धिक शक्ति विकसित करके और उनमें सहानुभूति का भाव उत्पन्न करके बेहतर प्राणियों में बदल देती है। भाषण के बाद एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ जिसमें नाटी और हरियाणवी नृत्य प्रदर्शन, लोक गीत प्रस्तुतीकरण, दोहा अंताक्षरी और हिंदी पर प्रश्नोत्तरी शामिल थे । समारोह में विद्यार्थियों की उत्साहजनक भागीदारी देखी गई। विभिन्न आयोजनों के प्रतिभागियों को गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। प्राचार्या डॉ. निशा भार्गव ने विद्यार्थियों को हमारे जीवन में हिंदी के महत्व के बारे में जागरूक करने के लिए हिंदी विभाग की इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि हम भारतीयों के लिए यह बहुत गर्व की बात है कि विदेशों में अब भारतीय भाषाओं और साहित्य की महानता की पहचान हो रही है, हमें भी अपनी भाषा के उत्थान और समृद्ध भाषाई विरासत को संरक्षित करने की दिशा में कार्य करने की ज़रूरत है। डॉ. भार्गव ने स्वरचित कविता कृष्ण और अर्जुन का पाठ भी किया।